वार्तालाप-1421, ज्योति-कनाडा+दिल्ली -रघु, भाग-1 दिनांक 09.05.13
Disc.CD No.1421, dated 09.05.13, Jyoti-Canada+Delhi-Raghu, Part-1
Part-1

समयः 00.01-02.02

जिज्ञासुः बाबा, इंटरनेट पर कई प्रश्न कई सालों से पूछ रहे थे कई बी.केज़ और नॉन बी.केज़, एक्स पी.बी.केज़ वगैरह। उसी की एक सूची है मेरे पास। कुछ आपसे क्लेरिफिकेशन लेना था।

बाबाः आप इन 75 प्रश्नों में से कोई का जवाब नहीं दे पाए?

जिज्ञासुः ना, जवाब तो दिये हैं। ऐसा नहीं है कि नहीं दिये हैं। जवाब तो कईयों के दिये हुए हैं। फिर भी बाबा से क्लेरिफिकेशन लेना चाह रहे थे।

बाबाः अच्छा, वेरिफाय कर रहे हैं।

जिज्ञासुः हाँ, जी।

बाबाः हाँ, जी।

Time: 00.01-02.02
Student: Baba, many BKs and non-BKs, ex-BKs, etc. had been asking many questions from many years on the internet. I have a list of such questions. I wanted to seek some clarifications from you.
Baba: Couldn't you answer any of these 75 questions?
Student: No, replies have been given. It is not that replies haven't been given. Many of them have been replied. Yet, I wanted to seek clarifications from Baba.
Baba: *Acchaa*, you are having them verified.
Student: Yes.
Baba: Yes.

जिज्ञासुः एक प्रश्न उन्होंने पूछा है कि हिन्दुओं का मूल शास्त्र वेद है या गीता क्योंकि वेद तो गीता से भी पुराने माने जाते हैं और हमारे ब्राह्मणों की दुनिया में हम कहते हैं कि जो मुरली है वो वेद हैं।

बाबाः मुरली पहले चली है या मुरली से पहले गीता का ज्ञान सुनाया गया था ज्ञान में? ईश्वरीय ज्ञान में ओम मण्डली जब थी उससे भी पहले गीता का ज्ञान पहले सुनाया गया था, गीता के श्लोकों का अर्थ बैठ करते थे या मुरली सुनाई जाती थी?

जिज्ञासुः पहले गीता का क्लेरिफिकेशन।

बाबाः तो क्या पुराना हुआ?

जिज्ञासुः गीता पुरानी हो गई।

बाबाः बस।

Student: They have asked a question that whether the original scripture of the Hindus is Veda or Gita because Vedas are considered to be older than the Gita and in the world of us Brahmins we say that the murlis are the Vedas.
Baba: Have the murlis been narrated first or was the knowledge of the Gita narrated before the murlis in the path of knowledge? In the path of Divine (*iishwariya*) knowledge when the

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Om Mandali existed, even before that, was the knowledge of the Gita narrated, did they sit and interpret the *shlokas* of the Gita or was murli narrated?
Student: Initially Gita's clarification [used to be given].
Baba: So, what is older?
Student: Gita is older.
Baba: That is all.

समयः 02.30-03.07

जिज्ञासुः अगला प्रश्न पूछा है कि ईव किसे कहेंगे? कृष्ण दादा लेखराज वाली आत्मा को या विजयमाला की हेड को?

बाबाः ब्रह्मा सो विष्णु बनता है ना। ब्रह्मा सो विष्णु बनता है ना। जो भी शास्त्रों में नाम वगैरह आये हैं वो संपन्न स्टेज के आए हैं या अधूरे स्टेज के आए हैं?

जिज्ञासुः संपन्न स्टेज के।

बाबाः तो विष्णु कब बनता है?

जिज्ञासुः संपन्न स्टेज में।

बाबाः और विष्णु बनता कौन है? ब्रह्मा सो विष्णु। हाँ।

Time: 02.30-03.07
Student: The next question that has been asked is that who will be called Eve? Is it the soul of Krishna, Dada Lekhraj or the head of *Vijaymala* (rosary of victory)?
Baba: Brahma becomes Vishnu, doesn't he? Brahma becomes Vishnu, doesn't he? Are all the names that have been mentioned in the scriptures of the complete stage or the incomplete stage?
Student: Complete stage.
Baba: So, when does he become Vishnu?
Student: In a complete stage.
Baba: And who becomes Vishnu? Brahma becomes Vishnu. Yes.

समयः 03.30-04.16

जिज्ञासुः और एडवांस ज्ञान में यह बताया जाता है कि क्रिश्चियन लोग निराकार को मानते हैं। किन्तु वास्तव में क्रिश्चियन लोग गॉड को एक बूढ़े व्यक्ति के रूप में चित्रों में चित्रित करते हैं। तो ये बात कैसे टैली करें?

बाबाः क्या हर बात टैली करने की जरूरत है? जो लोगों की मान्यता है उन सभी मान्यताओं को टैली करने की जरूरत है? या शास्त्रों में जो कुछ भी भूसा भरा हुआ है उस भूसे को टैली करने की जरूरत है? बाबा तो कहते हैं मैं शास्त्रों का सार आके सुनाता हूँ तो जो बाबा सुनाते हैं उसी को टैली करना है या सबके साथ टैली करना है? या जो प्रैक्टिकल में चल रहा है उसको टैली करना है शास्त्रों से।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 03.30-04.16
Student: And it is told in the advance knowledge that Christians believe in the incorporeal One. But actually, the Christians portray God in the form of an old man in the pictures. So, how do we tally this?
Baba: Is it necessary to *tally* every topic (compare with the topics of knowledge)? Is it necessary to *tally* every belief of the people? Or is it necessary to *tally* all the chaff (*bhuusa*) that is contained in the scriptures? Baba says, I come and narrate the essence of the scriptures. So, should we *tally* only that what Baba narrates or should we *tally* everything [with knowledge]? Otherwise, you should *tally* the things that are taking place in practice with the scriptures.

समयः 04.50-06.20

जिज्ञासुः और अगला प्रश्न उन्होंने पूछा है कि जगदम्बा और लक्ष्मी दोनों में से श्रेष्ठ किसे कहेंगे?

बाबाः लक्ष्य क्या दिया है बाबा ने जीवन का?

जिज्ञासुः नर से नारायण और नारी से लक्ष्मी।

बाबाः तो बाबा का दिया हुआ लक्ष्य श्रेष्ठ होता है या मनुष्य जिसे ज्यादा फालो करें, भीड़भाड़ के लोग ज्यादा पीछे पड़ें, वो ज्यादा श्रेष्ठ होता है?

जिज्ञासुः लक्ष्य को प्राप्त करना।

बाबाः तो प्रश्न जिसने किया है उसकी बुद्धि में तो यही है कि जगदम्बा श्रेष्ठ है क्योंकि सारी दुनिया जगदम्बा के पीछे पड़ती है, जगदम्बा सारी मनोकामनाएं पूर्ण करती है, लक्ष्मी से तो सिर्फ धन की आशा पूरी होती है। तो बड़ी कौन है? दुनियावालों के लिए बड़ा कौन हुआ?

जिज्ञासुः दुनियावाले जगदम्बा को मानते हैं।

Time: 04.50-06.20
Student: And the next question that they have asked is: who will be called greater between Jagdamba and Lakshmi?
Baba: What is the goal for the life set by Baba?
Student: To change from a man to Narayan and from a woman to Lakshmi.
Baba: So, is the goal set by Baba greater or is the one whom human beings follow more, the one who is followed by more crowd greater?
Student: To achieve the goal.
Baba: So, the one who has raised this question thinks that Jagdamba is greater because the entire world follows Jagdamba; Jagdamba fulfills all the desires while Lakshmi fulfills only the desire of wealth. So, who is greater? Who is greater for the people of the world?
Student: The people of the world believe in Jagdamba.

बाबाः हाँ, जगदम्बा के मेले ज्यादा लगते हैं, वहाँ ज्यादा भीड़ लगती है, लक्ष्मी की उतनी भीड़ नहीं लगती है। लेकिन बाबा क्या कहते हैं? नारी से क्या बनना है? (जिज्ञासु – लक्ष्मी) लक्ष्मी बनना श्रेष्ठ है या जगदम्बा बनना श्रेष्ठ है? (जिज्ञासु-लक्ष्मी बनना श्रेष्ठ है।) जगदम्बा बनेंगे तो हर धर्म की आत्माओं की अम्बा बनेंगे। हर धर्म की आत्माओं की अम्बा बनना

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

अच्छा या देवी-देवताओं की माँ बनना अच्छा? (जिज्ञासु – देवी-देवता सनातन धर्म) श्रेष्ठ के बच्चे श्रेष्ठ होते हैं।

Baba: Yes, more fairs of Jagdamba are organized; bigger crowd gathers there; Lakshmi does not attract crowd to that extent. But what does Baba say? What should we change from a woman to? (Student: Lakshmi) Is it greater to become Lakshmi or to become Jagdamba? (Student: It is greater to become Lakshmi) If you become Jagdamba, then you will become the mother of the souls of all the religions. Is it better to become the mother of all the religions or to become the mother of the deities? (Student: [To become the mother] of the Ancient Deity Religion) The children of someone elevated are elevated.

समयः 07.05-10.20

जिज्ञासुः किसी ने पूछा है कि यदि ब्रह्मा बाबा को बी.केज़ में अभी भी मोह है तो उन्होंने पुनर्जन्म क्यों नहीं लिया और सूक्ष्म शरीर धारण करके क्यों घूमते रहते हैं?

बाबाः जिनकी अचानक मौत होती है उनको सूक्ष्म शरीर मिलता ही है। बाकी बेसिक ज्ञान में उनकी परिपूर्णता थी इसलिए अब उनको बेसिक में दूसरा जन्म नहीं मिल सकता। और एडवांस में उन्हें आना नहीं है। क्योंकि उनका तो जन्म सतयुग में ही होना है। इसलिए।

जिज्ञासुः लेकिन उनकी ये जो परिपूर्णता कही आपने तो ये सिर्फ ज्ञान के हद तक ही सीमित है या...?

बाबाः धारणा के आधार पर। (जिज्ञासु – हाँ, जी?) देवात्माओं में धारणा होती है। देवात्माओं से भी जो ऊँची आत्माएँ हैं वो वो हैं जो संगमयुग में बाप से प्राप्ति करती है। वो देवात्माएं नहीं हैं लेकिन वो देव और दानव दोनों के सरपरस्त हैं, जो संगमयुग में हैं, माना रुद्रमाला। (जिज्ञासु – अच्छा) हाँ।

कहीं संतुष्टि नहीं होती तो आप इंटरनेट के जिज्ञासुओं की तरफ से क्रॉस क्वेश्चन भी करिये।

Time: 07.05-10.20

Student: Someone has asked: If Brahma Baba still has attachment for the BKs, then why wasn't he reborn and why does he wander by taking on a subtle body?

Baba: Those who die a sudden death definitely get a subtle body. But he cannot have rebirth in the basic [knowledge] because he achieved accomplishment there. And he is not going to come to the *Advance* [Party] because he is to be born only in the Golden Age. This is the reason.

Student: But is his perfection that you mentioned limited to the knowledge or?

Baba: On the basis of *dhaaraana* (assimilation of divine virtues). (Student: Yes?) There is *dhaaranaa* in the deity souls. The souls that are higher than the deity souls achieve attainments from the Father in the Confluence Age. They are not deity souls but they, who exist in the Confluence Age, i.e. the *Rudramala*[1] are heads of both deities and demons. (Student: *Achcha*) Yes.

If you don't feel satisfied somewhere, you can also *cross question* on behalf of the students on internet.

[1] Rosary of Rudra

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः उनका ये कहना है कि जैसे मुरली में तो आता है कि बाबा कर्मातीत हो गए या बाबा की स्टेज...।

बाबाः बेसिकली कर्मातीत हो गए। (जिज्ञासु – अच्छा) बेसिक ज्ञान से ऊपर नहीं जा सके। वो मनन-चिंतन-मंथन करने वाली आत्मा नहीं है। बच्चा बुद्धि जो आत्मायें हैं, चर्निंग नहीं कर सकती गहराई में वो जाकरके देवताएं बनेंगे सतयुग में।

Student: They wish to say that it is mentioned in the murli that [Brahma] Baba became *karmaatii* or Baba's stage…

Baba: He became *karmaatiit*[2] *basically* (at a basic level). (Student: *Acchaa*) He could not rise above the *basic* knowledge. He is not the soul that thinks and churns. The souls with a child like intellect cannot do deep *churning*. They will become deities in the Golden Age.

समयः 10.30-17.55

जिज्ञासुः अगला प्रश्न उन्होंने ये किया है कि रुद्र यज्ञ की शुरुआत तो 1936-37 में ओम मण्डली के साथ हुई, जो बाद में ब्रह्माकुमारी संस्था में बदल गया। फिर 1976 के बाद शिवबाबा का पार्ट यदि एडवांस पार्टी में चल रहा है तो क्या बेसिक ब्राह्मणों की दुनिया को भी यज्ञ कहेंगे, विशेषकर तब जब हम पी.बी.केज़ उसे रावण राज्य कहते हैं?

बाबाः गीता ज्ञान जो आदि में सुनाया जा रहा था वो ज्ञान नहीं था? वो ईश्वरीय ज्ञान नहीं था? आदि में जो गीता सुनाई जा रही थी, गीता के श्लोक के अर्थ करते थे वो ईश्वरीय ज्ञान नहीं था? (जिज्ञासु – वो भी ईश्वरीय ज्ञान) वो भी ईश्वरीय ज्ञान था। वो बाप के द्वारा सुनाया गया। (जिज्ञासु – हाँ, जी) और जो 1947 से सुनाया गया उसका मीडियम बाप नहीं था। (जिज्ञासु – माँ थी) हाँ, जी। माँ के रूप में भगवान नहीं होता है।

Time: 10.30-17.55

Student: The next question that they have asked is that the *Rudra yagya* began with Om Mandali in 1936-37, which later changed to Brahmakumari institution. Then if Shivbaba's part is going on in the Advance Party after 1976, then will the world of basic Brahmins also be called *yagya*, especially when we PBKs call it a kingdom of Ravan?

Baba: Was the knowledge of the Gita that was being narrated in the beginning not knowledge? Wasn't it Divine knowledge? Wasn't the Gita that was being narrated in the beginning, wasn't the interpretation of the *shlokas* of the Gita Divine knowledge? (Student: That was also Divine knowledge) That was **also** the Divine knowledge. That was narrated through the Father. And the Father was not the *medium* to narrate [the knowledge] from 1947. (Student: It was the Mother) Yes. And God is not in the form of the mother.

जिज्ञासुः उस पीरियड को यज्ञ नहीं कहेंगे?

बाबाः बातें तो वो ही थी लेकिन न समझने के कारण अपने तरीके से उसमें मिक्सचरिटी होती रही। जो एडवांस ज्ञान है, है तो मुरलियों का ही क्लेरिफिकेशन, ब्रह्मा के मुख से जो वाणियाँ चलाई गई हैं उन्हीं का तो क्लेरिफिकेशन है। लेकिन जो क्लेरिफिकेशन है वो बातें ब्रह्माकुमार-कुमारियों की बुद्धि में बैठी हुई हैं क्या? (जिज्ञासु – नहीं) नहीं बैठी हैं। क्योंकि वो

[2] Went beyond karma

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

तो बच्चा बुद्धि के तरीके से ही मुरलियों को रटे हुए बैठे हैं। उससे आगे कुछ समझना ही नहीं चाहते हैं।

जिज्ञासुः नहीं, कहने का मतलब ये था कि 1947 से 69 तक का जो पीरियड था उसको तो कम से कम यज्ञ कहेंगे ना क्योंकि भले ही माँ के रूप में...

बाबाः यज्ञ ज्ञान को कहा जाता है या अज्ञान को कहा जाता है?

जिज्ञासुः ज्ञान को कहा जाता है।

बाबाः तो बेसिक में ज्ञान है या अज्ञान है? (जिज्ञासु – अज्ञान है, भक्ति है) तो फिर? ज्ञान यज्ञ कहा जाता है। अज्ञान यज्ञ थोड़े ही कहा जाता है।

Student: Will that period not be called *yagya*?
Baba: The topics were the same but because of not understanding, [the Brahmins] continued to mix their [opinion] in them. The advance knowledge is a *clarification* of the murlis themselves; it is a *clarification* of the vanis that were narrated through the mouth of Brahma. But are the topics of *clarification* seated in the intellect of *Brahmakumar-kumaris*? (Student: No) They aren't. It is because they have parroted the murlis like those with a child like intellect. They do not want to understand anything beyond that at all.
Student: No. What I meant to say was that at least the period from 1947 to 69 will be called *yagya* because although in the form of a mother...
Baba: Is knowledge called *yagya* or is ignorance called *yagya*?
Student: Knowledge is called *yagya*.
Baba: So, is there knowledge or ignorance in the *basic* [knowledge]? (Student: There is ignorance, *bhakti*) So, then? It is called *Gyan Yagya* (*yagya* of knowledge). It is not called *Agyan Yagya* (*yagya* of ignorance).

जिज्ञासुः तो फिर तो उसके बाद वाले को तो वैसे ही सवाल ही नहीं उठता। जब 1969 से पहले का ही पीरियड यज्ञ नहीं कहेंगे (बाबा – हाँ) तो उसके बाद वाला तो सवाल ही नहीं उठता जो अभी वहाँ चल रहा है। उसको यज्ञ कहेंगे ही नहीं।

बाबाः क्यों? माने वहाँ?

जिज्ञासुः बी.के में।

बाबाः बेसिक में? हाँ, वो तो है ही नहीं। जो फालोअर्स हैं ब्रह्मा बाबा के या क्राइस्ट के फालोअर्स हैं या बुद्ध के फालोअर्स हैं, वो तो और ही नीची मेन्टेलिटी के होंगे ना। उतनी ऊँची मेन्टेलिटी थोड़े ही हो सकती है।

जिज्ञासुः तो फिर उसके बाद यज्ञ की शुरुआत फिर 1976 से ही कहेंगे फिर, जबसे बाप की प्रत्यक्षता हुई है?

बाबाः हाँ, जी, हाँ, जी। ज्ञान यज्ञ में मुख्य पॉइंट क्या है?

जिज्ञासुः बाप की पहचान।

बाबाः वो है? (जिज्ञासु - नहीं) एडवांस में जब बाप की पहचान है तो ज्ञान है और बेसिक में तो बाप की पहचान ही नहीं है। वहाँ तो माया घुस गई।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: So, then the question does not arise at all for the period after that. When the period prior to 1969 itself is not called *yagya*, (Baba: Yes) then there is no question of the period after that, which is going on there now. It will not be called *yagya* at all.
Baba: Why? Do you mean to say there?
Student: In the BK.
Baba: In the *basic*? Yes, it does not there at all. The *followers* of Brahma Baba or the *followers* of Christ, the *followers* of Buddha; they will have a much lower *mentality*, will they not? They cannot have such a high *mentality*.
Student: So, then will the *yagya* be said to have begun only from 1976, ever since the Father was revealed?
Baba: Yes. Yes. What is the main *point* of the *Gyan Yagya*?
Student: The recognition of the Father.
Baba: Do they have that? (Student: No) When there is recognition of the Father in the advance [party], then there is knowledge. And there is no recognition of the Father at all in the basic [knowledge]. Maya has intruded there.

जिज्ञासुः ब्रह्मा बाबा तो वैसे भी ओपनली अपने को शिव का रथ बताते थे।
बाबाः हाँ, तो मुकर्रर थे या टेम्पररी थे?
जिज्ञासुः टेम्पररी थे।
बाबाः फिर? जैसे कॉलेज होता है या स्कूल होता है, प्रिंसिपल होता है, चला जाता है या छुट्टी पे जाता है, लम्बी छुट्टी, तो कोई न कोई निमित्त बनाया जाता है ना। तो अंतर नहीं होगा? लियाक़त में अंतर होगा या नहीं होगा? (जिज्ञासु – जरूर होगा) होगा। वो वाईस प्रिंसिपल है, वो प्रिंसिपल है। प्रजापिता का टाइटिल तो था लेकिन वो प्रजापिता का टाइटिल भी बाबा ने बताया या उनका खुद का रखा हुआ था? (जिज्ञासु – खुद का) खुदका कहाँ रखा हुआ था? ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय शुरू से ही नाम चल रहा है। जो भी स्टूडेन्ट्स थे उनका नाम ब्रह्माकुमार-कुमारी चल रहा था। प्रजापिता शब्द ही नहीं था।
जिज्ञासुः बाद में, 1965 के बाद।
बाबाः वो तो मुरली में बाबा ने बताया ना। तो भी नहीं उन्होंने उसपे ध्यान दिया। अभी तो प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ये नाम भी उड़ा दिया। राजयोग केन्द्र नाम रख दिया हर जगह।

Student: Brahma Baba anyway used to openly call himself as the chariot of Shiva.
Baba: Yes. So, was he a permanent chariot or a temporary chariot?
Student: He was temporary.
Baba: Then? For example, there is a *college* or a *school*; there is a Principal; he departs or goes on leave, on a long leave; so, someone is made instrument [in his place], isn't he? So, will there not be a difference [between both of them]? Will there be a difference between their abilities or not? (Student: There will definitely be a difference) There will be [a difference]. He (the instrument) is a Vice-Principal and he (the person who left) is a Principal. He (Brahma Baba) did have the *title* of Prajapita but was it [Shiv]baba who gave him the *title* of Prajapita or did he keep that *title* himself? (Student: Himself) Did he keep [the title] himself? The name *Brahmakumari Ishwariya Vishwa Vidyalay* has been in existence

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

from the beginning itself. All the students are being called *Brahmakumar-kumaris*. The word Prajapita wasn't there at all.
Student: Later on, after 1965…
Baba: That was told by Baba in the murli, wasn't it? Still he (Brahma Baba) did not pay attention. Now they have removed even this name: *Prajapita Brahmakumari Ishwariya Vishwa Vidyalaya*. They have named it *Rajyog Kendra* (Raja yoga Center) everywhere.

दूसरा जिज्ञासुः शिवबाबा ने भक्ति और ज्ञान दोनों का फाउन्डेशन डाला।
बाबाः शिवबाबा ने? भक्ति का फाउन्डेशन डाला? भक्ति का फाउन्डेशन रावण डालता है या शिवबाबा डालता है?
दूसरा जिज्ञासुः माँ के द्वारा।
बाबाः हाँ, यज्ञ के आदि में ही बाप के द्वारा ज्ञान का फाउन्डेशन पड़ता है। माँ के द्वारा अज्ञान का फाउन्डेशन, भक्ति का फाउन्डेशन। सुनना और सुनाना ये भक्ति मार्ग है। समझना और समझाना ये ज्ञान है। ज्ञान को ही समझ कहा जाता है।

Another student: Shivbaba laid the foundation of *bhakti* as well as knowledge.
Baba: Shivbaba? Did He lay the *foundation* of *bhakti*? Does Ravan lay the *foundation* of *bhakti* or does Shivbaba lay it?
The other student: Through the mother.
Baba: Yes, in the beginning of the *yagya* itself the *foundation* of knowledge is laid through the Father. The *foundation* of ignorance, the *foundation* of *bhakti* was laid through the mother. Listening and narrating is the path of *bhakti*. Understanding and explaining is knowledge. Knowledge itself is called understanding. … (to be continued.)

Part-2

समयः 17.56-19.00

जिज्ञासुः अगला प्रश्न उन्होंने कहा है कि मुरली में कहा है सतयुग में स्वयंवर होता है। इस संबंध में मुरलियों में लक्ष्मी और नारद का उदाहरण दिया जाता है। सतयुग में वास्तव में तो कोई स्वयंवर जैसी बात नहीं होती। तो फिर स्वयंवर कहां की यादगार है?
बाबाः संगमयुग की। सतयुग और त्रेता में कोई जश्न मनाया जाता है क्या? जश्न तो वहाँ मनाया जाता है (जहाँ) दुःख-दर्द होते हैं रोज़। तो थोड़े दिन के लिए जश्न मना लो, उत्सव मना लो। सतयुग में क्या मनाने की दरकार है? ये यहाँ की बात है और सतयुग की शुरुआत कहाँ से होती है? संगम से होती है या सतयुग में ही सतयुग होता है? सत्य क्या यहाँ संगम में नहीं होता है? सत्य का फाउन्डेशन संगम में पड़ता है या नहीं पड़ता है? (जिज्ञासु – पड़ता है) हाँ। तो ये 100% सत्य है।
जिज्ञासुः तो ये स्वयंवर की बात फिर जब...?
बाबाः संगम की है।
जिज्ञासुः हाँ, जब लक्ष्मी नारायण के, संगमयुगी लक्ष्मी-नारायण के संस्कार मिल जाएंगे तबकी यादगार है।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः हाँ जी, हाँ जी।

Time: 17.56-19.00
Student: The next question they have asked is that it has been said in the murlis that *swayamwar*[3] takes place in the Golden Age. In this connection an example of Lakshmi and Narad is given in the murlis. In reality there is no such thing as *swayamvar* in the Golden Age. So, then *swayamvar* is a memorial of which place?
Baba: Of the Confluence Age. Is any function (*jashna*) held in the Golden Age and the Silver Age? Functions are celebrated at a place where people experience sorrow and pain every day. So, they celebrate functions, festivals for a few days. There is no need for celebrations in the Golden Age. It is about this place. And where does the Golden Age begin? Does it begin from the Confluence Age or does the Golden Age begin in the Golden Age (*Satyug* or an Age or truth) itself? Is there not *satya* (truth) here, in this Confluence Age? Is the *foundation* for truth laid in the Confluence Age or not? (Student: It is laid) Yes. So, this is 100% truth.
Student: So, this topic of *swayamvar*…
Baba: It is of the Confluence Age.
Student: Yes, it is a memorial of the time when the *sanskars* of Lakshmi and Narayan, the Confluence Age Lakshmi and Narayan become one.
Baba: Yes, yes.

समयः 19.53-20.58

जिज्ञासुः अगला प्रश्न ये पूछा है कि ब्रह्मा बाबा की युगल जसोदा माता ने लौकिक तथा अलौकिक दोनों ही जीवन में ब्रह्मा बाबा का साथ निभाया, वह भी निर्विघ्न रूप से। फिर उनका मुरलियों में कहीं भी जिक्र क्यों नहीं आता है?

बाबाः लेकिन बाबा ने उनको निमित्त नहीं बनाया? ब्रह्मा बाबा ने जसोदा माता को यज्ञ में माता के रूप में, यज्ञ माता के रूप में निमित्त बनाया या नहीं बनाया? (जिज्ञासु – नहीं बनाया) नहीं बनाया क्योंकि योग्यता नहीं थी। ऐसी बहुत सी कन्याएं-माताएं रहीं यज्ञ में जो लम्बे समय से, आदि से ही रही हैं लेकिन बोल कुछ नहीं पातीं ज्ञान। जैसे उनका कोई पार्ट ही नहीं।

जिज्ञासुः उनका कहीं कोई यादगार भी नहीं बनेगा?

बाबाः किसलिए? यहाँ ज्ञान की बात ज्ञान से हल होगी, ज्ञानी बच्चों से हल होगी या सिर्फ लौकिक रूप से संबंध निभाने से हल होगी? (जिज्ञासु – ज्ञान से हल होगी) हाँ।

Time: 19.53-20.58
Student: The next question that has been asked is that Brahma Baba's wife Jasoda mata maintained relationship with Brahma Baba both in his *lokik* and *alokik* life and that too in an untroubled manner. Then why is she not mentioned anywhere in the murlis?
Baba: But why did Baba not make her instrument (*nimitt*)? Did Brahma Baba make Jasoda mata instrument in the form of a mother in the *yagya*, in the form of *yagyamata* or not? (Student: He did not) He did not make because she did not have the capability. There have been many virgins and mothers like this in the *yagya* for a long time, from the beginning but they are unable to speak anything about knowledge. It is as if they do not have any *part* at all.

[3] A form of marriage where a bride chooses her bridegroom

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: Won't there be any memorial of her anywhere?
Baba: Why? Will the topic of knowledge be solved through knowledge here, will it be resolved by the knowledgeable children or will it be resolved just by maintaining the *lokik* relationships? (Student: It will be resolved through knowledge) Yes.

समयः 21.40-24.30

जिज्ञासुः दिनांक 1.11.08 की मुरली में कहा है – त्रिमूर्ति के बाजू में जगह पड़ी है, उस पर लिखना चाहिए कि शिवबाबा और कृष्ण दोनों के आक्यूपेशन ही अलग हैं। पहली बात यह जब समझाओ तब कपाट खुलें। - फिलहाल त्रिमूर्ति के चित्र में यह बात शामिल नहीं है। तो क्या ये शब्द आगे चलके जोड़े जायेंगे?

बाबाः क्या? क्या? त्रिमूर्ति के चित्र में?

जिज्ञासुः त्रिमूर्ति के बाजू में जगह पड़ी है, उस पर लिखना चाहिए कि शिवबाबा और कृष्ण दोनों के आक्यूपेशन ही अलग हैं। पहली बात यह जब समझाओ तब कपाट खुलें। तो फिलहाल तो त्रिमूर्ति के चित्र में ऐसी कोई बात लिखी हुई नहीं है।

बाबाः लिखी हुई नहीं है तो फिर लिखना चाहिए। शिवबाबा के आक्यूपेशन।

जिज्ञासुः वो ही अभी तक (न तो) बी.के वालों ने लिखा है न एडवांस नॉलेज में लिखा गया है।

बाबाः शिवबाबा का... ये वाणी तो, सारी वाणियाँ जो हैं वो सबके सामने थोड़े ही आई हैं। ये कौनसी तारीख की है वाणी?

जिज्ञासुः 1.11.2008 की मुरली में है।

Time: 21.40-24.30
Student: It has been said in a murli dated 1.11.08 – There is [empty] space beside *Trimurty*. You should write on it that the occupation of Shivbaba and Krishna are different. When you explain this topic first then the intellect will open. - At present this topic is not included in the picture of the *Trimurty*. So, will these words be added in future?
Baba: What? What? In the picture of *Trimurty*…?
Student: There is place beside *Trimurty*. You should write on it that the occupation of Shivbaba and Krishna are different. When you explain this topic first then the intellect will open. - At present nothing like this has been written in the picture of *Trimurty*.
Baba: If it has not been written, then it should be written. Shivbaba's *occupation*.
Student: That is what [I am saying], neither the BKs have written this, nor has it been written in the advance knowledge.
Baba: Shivbaba's; this vani, all the vanis have not come in front of everyone. It is a vani of which date?
Student: It is mentioned in the murli dated 1.11.2008.

बाबाः 1.11.2008 की। जो बाद में मुरलियाँ आ रही हैं वो कहीं इधर-उधर से पुरानी गीतापाठशालाओं से भेजी हुई मुरलियाँ छाप दी जाती हैं। तो वो तो दूसरों के पास नहीं हैं। क्या पता सुनाई भी गई हों या ना सुनाई गई हों।

जिज्ञासुः उसको वेरिफाय कर लें? अगर वेरिफाय...

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः हाँ वेरिफिकेशन चाहिए ना।

जिज्ञासुः वेरिफिकेशन मिल जाता है तो...?

बाबाः और फिर ये प्वाइंट तो सही है। न भी वेरिफिकेशन हो तो भी शिवबाबा का कर्तव्य अलग और कृष्ण की आत्मा का कर्तव्य अलग। कृष्ण की आत्मा तो देवात्मा है। शिवबाबा तो भगवान है। भगवान के कर्तव्य में और देवात्माओं के कर्तव्य में बहुत फर्क होगा।

Baba: 1.11. 2008. The murlis that are coming afterwards have been collected from here and there, from the old *Gitapathshalas* and printed. So, they are not available with others. Who knows whether they were narrated or not?
Student: Should we verify? If it is verified…
Baba: Yes, its *verification* is required, isn't it?
Student: If we get the verification…
Baba: And this *point* is correct. Even if *verification* is not done, Shivbaba's acts (*kartavya*) are different and the acts of the soul of Krishna are different. The soul of Krishna is a deity soul. Shivbaba is God. There will be a lot of difference between the acts of God and the acts of a deity soul.

जिज्ञासुः मतलब एड किया जा सकता है।

बाबाः हाँ। सर्वगुण संपन्न, 16 कला संपूर्ण, संपूर्ण अहिंसक, मर्यादा पुरुषोत्तम – ये कोई शिवबाबा के गुण थोड़े ही हैं। शिवबाबा सर्वगुण संपन्न बनेगा तो गुणहीन से कौन टकराएगा? लोहा लोहे को काटता है। विष विष को मारता है। दुनिया में इतने असुर भरे पड़े हैं। इनसे टक्कर कौन लेगा? सागर में तो रतन भी होते हैं तो विष भी भरा हुआ होता है। दोनों ही चीज़ें हैं। लेने वाले को जो लेना हो सो ले। असुर विष पीते हैं। शराब पिलाने वाली निकलती है तो उसको झटक के ले लेते हैं। अमृत नहीं ले पाते।

Student: It means that it can be added.
Baba: Yes. Perfect in all the virtues, complete in 16 celestial degrees, completely non-violent, highest among all souls (*purush*) in following the code of conduct (*maryada purushottam*) – these are not the virtues of Shivbaba. If Shivbaba becomes perfect in all the virtues, then who will face those without virtues? Iron cuts iron. Poison kills poison. The world is full of so many demons. Who will face them? There are gems as well as poison in the ocean. There are the both things. A seeker can take whatever he wants. Demons drink poison. When the woman who offers alcohol emerges [from the ocean] then they grab it immediately. They are unable to get the nectar.

समयः 26.03-29.10

जिज्ञासुः इसी प्रकार दिनांक 4.11.2008 की मुरली में कहा है – इन चित्रों में भी करेक्शन होती रहती है। सेवियर अक्षर भी जरूरी है। (बाबाः हँ?) सेवियर।

बाबाः सेवियर क्या?

जिज्ञासुः रक्षक।

बाबाः हाँ।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः सेवियर अक्षर भी जरूरी है। और कोई न सेवियर है, न पतित-पावन है।
बाबाः दुनिया में और कोई नहीं है। हाँ।
जिज्ञासुः तो फिलहाल यह भी किसी चित्र में यह बात शामिल नहीं है।
बाबाः चित्रों में तो बहुत सी बातें शामिल नहीं हैं। चित्र तो छोटे होते हैं। किताबें ही मोटी-मोटी लिखी जाती हैं। वो ही लिमिटेड हैं। सब बातें कैसे आ जाएंगी? वो तो समझाने वाला जब समझाएगा तब सभी बातें आ सकती हैं। जो किताबें बताती हैं, चित्र बताते हैं, वो तो लिमिटेड ज्ञान है। जब उसको बोलने वाला आमने-सामने बोलता है और प्रश्नों का जवाब देता है तब ही वो सारी बातें क्लीयर होती हैं। कोई जरूरी है चित्रों में हर बात क्लीयर होनी चाहिए, लिखी हुई होनी चाहिए?

Time:26.03-29.10
Student: Similarly, in the murli dated 4.11.2008 it has been said: Correction keeps taking place in these pictures also. The word '*saviour*' is also important. (Baba: Hm?) *Saviour*.
Baba: What *saviour*?
Student: Protector.
Baba: Yes.
Student: The word *saviour* is also important. Nobody else is either *saviour* or purifier of the sinful ones (*patit-paavan*).
Baba: There is nobody else in the world. Yes.
Student: So, at present this topic is not included in any picture.
Baba: Many topics are not included in the pictures. Pictures are small. Books are written in an voluminous way. They are also *limited*. How can they include all the topics? All the topics can be covered when the explainer explains them. Whatever the books tell or the pictures tell is *limited* knowledge. When a narrator speaks face to face and answers the questions, then all those topics become *clear*. Is it necessary that every topic should be made *clear* or written in the pictures?

जिज्ञासुः लेकिन मतलब सुधार किया जा सकता है।
बाबाः हाँ, ठीक है। अगर बाबा ने बोला है तो सुधार करना चाहिए। बाबा ने बोला है ये चित्र यथार्थ नहीं हैं। तीनों ही चेहरे ब्रह्मा के रख दिये हैं। तुम बच्चों को यथार्थ चित्र बनाना चाहिए। तो बनाना चाहिए। अब बनाने वाले को समझाना भी चाहिए।
जिज्ञासुः बाबा, एडवांस पार्टी वाले बना तो देते हैं और इंटरनेट पर सब जगह डाल भी दिया है (बाबा – हाँ) त्रिमूर्ति में ब्रह्मा, विष्णु और शंकर के कौन-कौन पात्रधारी हैं, राधे-कृष्ण कौन हैं, लक्ष्मी-नारायण संगमयुगी कौन हैं वो सारे चित्र बना के डाल तो दिये हैं।
बाबाः डाल तो दिये हैं। लेकिन?
जिज्ञासुः वो समझाना जरूरी है।
बाबाः समझाना? समझा तो तब सकेंगे जब प्रैक्टिकल में खुद में धारणा हो। अगर धारणा प्रैक्टिकल जीवन में नहीं होगी तो दूसरों को कैसे समझाय सकेंगे? और कौन मानेगा ? इसीलिए तो बोला है विजयमाला का आवाहन करो।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: But I mean to say, they can be improved.
Baba: Yes, it is correct. If Baba has said, then improvement should be done. Baba has said that this picture is not accurate. All the three faces depict Brahma. You children should prepare an accurate picture. So you should make it. Well, the makers should also explain it.
Student: Baba, people of the Advance Party do prepare it and they have also posted them everywhere on the internet (Baba : Yes) that who are the actors playing the role of Brahma, Vishnu and Shankar in the *Trimurty*, who are Radhe and Krishna, who are the Confluence Age Lakshmi and Narayan . They have certainly posted all those pictures.
Baba: They have certainly posted them. But?
Student: It is necessary to explain that.
Baba: To explain? They will be able to explain only when they have assimilated it themselves in practice. If there is no assimilation in the life in practice, then how will you be able to explain to others? And who will accept it? This is why it has been said: Invoke the *Vijaymala.*

जिज्ञासुः और वो बी.के वाले इसलिए भी नहीं मानते क्योंकि एक मूर्ति तो अभी भी बी.के में ही है।

बाबाः तो? वो एक मूर्ति जो बी.के में है वो ज्ञान में संपन्न है? उसने शिवबाबा का ज्ञान उठाया है कि भक्तों के पीछे पड़ी है? मुरली में क्या बोला है? तीन मूर्तियों में से एक मूर्ति शेर की तरह जो भक्तिमार्ग में दिखा दी है, वो शेर ही है या बाबा ने कुछ और कुछ बोल दिया है? (जिज्ञासु – बकरी है) फिर? बकरी है तो जिसने कान पकड़ लिया वो उसी के अंडर में रहेगी। अब बी.के वालों ने कान पकड़ा हुआ है तो उसी के अंडर में चल रही है। एडवांस वाले अगर सुनाने में सक्षम हो जाएंगे तो उनके अंडर दी कंट्रोल आ जाएगी।

Student: And BKs also do not accept it, because one personality is still among the BKs.
Baba: So? Is that one personality who is among the BKs perfect in knowledge? Has she obtained Shivbaba's knowledge or is she pursuing the devotees? What has been said in the murlis? One personality among the three personalities which has been shown as a lion in the path of *bhakti,* is it a lion in reality or has Baba said something else [about it]? (Student: It is a goat.) Then? It is a goat; so, whoever holds it by its ear, it will remain only *under* him . Now, the BKs have held her ear so she is staying *under* them. When the people of the advance [party] become capable of narrating, then she will come *'under the control'* [of Advance Party].

समयः 30.10-34.12

जिज्ञासुः इसी प्रकार 13.12.2008 की मुरली में लिखा है कि नर्क का रचयिता है रावण। गोले के ऊपर 10 सिर वाले रावण का चित्र बना दो। स्वर्ग के गोले पर चतुर्भुज। लिख भी सकते हो – यह रामराज्य है, यह रावण राज्य है। तो ये भी फिलहाल नहीं है।

Time: 30.10-34.12
Student: Similarly, it has been written in the murli dated 13.12.2008 that the creator of hell is Ravan. Make the picture of ten-headed Ravan on the [World] Cycle. [Make] Chaturbhuj (four-armed one) on the sphere of heaven. You can also write: This is the kingdom of Ram; this is the kingdom of Ravan. So, at present this is also not included.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः प्रैक्टिकल में कौन है? प्रैक्टिकल में कौन है? ब्राह्मणों की संगमयुगी दुनिया में रावण राज्य साबित होता है या नहीं साबित होता है? (जिज्ञासुः होता है।) तो कौन है बनाने वाला? मुखिया कौन है? रावण की पूजा क्यों नहीं होती? रावण के मन्दिर क्यों नहीं बनते? रावण के हाथों में वेद-शास्त्र क्यों दिखाए हैं? रावण को अनेक मुख क्यों दिखाए हैं? क्योंकि ब्रह्मा को भी दिखाए हैं अनेक मुख। विष्णु को मुख अनेक नहीं दिखाए जाते। विष्णु को भुजाएं अनेक दिखाई जाती हैं। सहयोगी बनेंगे। मुख से बड़-बड़-बड़-बड़ अनेक तरह की बातें नहीं बोलेंगे। मन्दिर रावण के नहीं बनते। ब्रह्मा के भी? मन्दिर नहीं बनते। रावण के भी पूजा नहीं होती है। ब्रह्मा की भी पूजा नहीं होती। मूर्तियाँ नहीं बनतीं। तो रावण कौन? मुरली में पूछा है। रावण कौन? जरूर कहेंगे ये गुरू लोग। और गुरू लोगों में सबसे बड़ा गुरू कौन, मनुष्य गुरू? (जिज्ञासु – ब्रह्मा)
(जिज्ञासु ने अनुवाद हेतु मुरली प्वाइंट दोहराया)
बाबाः हाँ ये राम राज्य, ये रावण राज्य। राम राज्य माने सूर्यवंश। और रावण राज्य माने? फेल हो जाते हैं वो कौन हैं? (जिज्ञासु – चन्द्रवंश) तो फिर?

Baba: Who is [Ram and Ravan] in practice? Who is in practice? Is the kingdom of Ravan proved in the Confluence Age world of Brahmins or not? (Student: It is proved.) So, who is that maker? Who is the head? Why isn't Ravan worshipped? Why are Ravan's temples not built? Why are Vedas and scriptures shown in the hands of Ravan? Why is Ravan shown to have many heads? It is because Brahma has also been shown to have many heads. Vishnu is not shown to have many heads. Vishnu is shown to have many arms. They (arms of Vishnu) will become helpers. They will not speak many kinds of things through their mouth. Ravan's temples are not built. In case of Brahma as well? Temples are not built. Ravan is not worshipped . In case of Brahma as well? He is not worshipped either. Idols of him are not prepared. So, who is Ravan? It has been asked in the murli. 'Who is Ravan? It will definitely be said that it is these gurus'. And who is the biggest guru, the human guru among the gurus? (Student: Brahma.)
(When the student repeated the murli point for translation Baba said :)
Baba: Yes, this is the kingdom of Ram; this is the kingdom of Ravan. Kingdom of Ram means the Sun dynasty. And what is meant by the kingdom of Ravan? Who are the ones who ? (Student: The Moon dynasty.) Then?

दूसरा जिज्ञासुः फिर भी बाबा कहते हैं उनमें पवित्रता है।
बाबाः प्यूरिटी सूर्यवंश में ज्यादा है कि चन्द्रवंश में ज्यादा है?
जिज्ञासुः माताजी का कहना ये है कि जब चन्द्रवंशियों को पवित्र माना जाता है तो रावण राज्य में क्यों गिना जाता है?
बाबाः चन्द्रवंशियों को पवित्र नहीं माना जाता है। पवित्र ज्ञान को माना जाता है। शिवबाबा पवित्र है, शिवबाबा क्या देता है? शिवबाबा ज्ञान देता है या पवित्रता देता है?
दूसरा जिज्ञासुः ज्ञान। बाबा हमेशा कहते हैं ब्रह्माकुमारियों में प्युरिटी ज्यादा है।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः ब्रह्माकुमारियों में सबमें प्युरिटी ज्यादा है? ब्रह्माकुमारी कोई राजा कुमारी बनेगी, कोई प्रजा कुमारी बनेगी। तो सभी ब्रह्माकुमारियों को कैसे कह सकते हैं?

Another student: But still Baba is saying [they have] purity.
Baba: Is there more *purity* in the Sun dynasty or in the Moon dynasty?
Student: *Mataji* wants to say that when the *Chandravanshis* (those who belong to the Moon Dynasty) are considered to be pure then why are they included in the kingdom of Ravan?
Baba: The *Chandravanshis* are not considered to be pure. The knowledge is considered to be pure. Shivbaba is pure; what does Shivbaba give? Does Shivbaba give knowledge or does He give purity?
The other student: Knowledge. Baba always says *Brahmakumaris* [have more] purity.
Baba: Is there more purity in all the *Brahmakumaris*? Some *Brahmakumari* will become *Rajakumari* (daughter of king), some will become *Prajakumari* (daughter of the subjects). So, how can you speak about all the *Brahmakumaris*?

दूसरा जिज्ञासुः हम इंतजार कर रहे है कि वो आयेंगे।
बाबाः कौन आएंगे? कौन आएंगे? सारे ब्रह्माकुमार यहाँ आ जाएंगे तो यहाँ भी रावणराज्य हो जाएगा। जो ज्ञान में इंट्रेस्टेड हैं वो ही यहाँ आ रहे हैं। जो ब्रह्मा की गोद में, ब्रह्मा की कोख में ज्यादा इंट्रेस्टेड हैं वो कुखवंशावली ब्राह्मण, रावण संप्रदाय बनते हैं।

The other student: We are waiting till they come .
Student: She is telling that we are waiting that they will come and then our stage.
Baba: Who will come? Who will come? If all the *Brahmakumars* come here, then this place will also become a kingdom of Ravan. Only those who are *interested* in knowledge are coming here. Those who are *interested* more in the lap of Brahma, womb of Brahma become lap born Brahmins, members of the Ravana community. … (to be continued.)

Part-3

समयः 34.18- 36.23
दूसरा जिज्ञासुः सभी कहते हैं कि बाबा गुप्त हो जाएंगे, बाबा गुप्त हो जाएंगे, तो इसका अर्थ क्या है और क्या आगे चलके मिल नहीं पाएंगे बाबा से?
बाबाः कौन कहते रहते हैं?
दूसरा जिज्ञासुः पी.बी.केज़, हाँ।
बाबाः बी.केज़ या पी.बी.केज़ देहधारी कहते रहते हैं या शिवबाबा कहते रहते हैं?
दूसरा जिज्ञासुः जब वो कह रहे हैं तो उन्होंने शायद बाबा से सुना होगा इसलिए कह रहे हैं।
बाबाः शायद? शायद? शायद माने अनुमान। अनुमान से होता है नुकसान। शिवबाबा मुरली में क्या कहते हैं? अव्यक्त वाणी में अम्मा क्या कहती है? वो कहती है कि बाप बच्चों से अलग हो ही नहीं सकता। बाप बच्चों को साथ लेकरके जाएंगे।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 34.18- 36.23
Another student: Everyone says that Baba will become incognito, Baba will become incognito; so what does it mean? And won't we be able to meet Baba in future?
Baba: Who keeps saying this?
The other student: PBKs, yes.
Baba: Do BKs and PBKs, the bodily beings keep saying or does Shivbaba keep saying this?
The other student: When they (the PBKs) are saying, then perhaps they must have heard it from Baba; that is why they are saying.
Baba: Perhaps? Perhaps? Perhaps means a guess (*anumaan*). Guess causes harm. What does Shivbaba say in the murlis? What does the mother say in the *avyakt vani*? She says that the Father cannot separate from the children at all. The Father will take the children along.

लोग कहते हैं बाप गुप्त हो गया। लोग कहते हैं बाप गुप्त हो गया। और बाबा कहते हैं बाप गुप्त नहीं हो गया। बच्चों के सामने तो सदा प्रत्यक्ष हैं। ऐसे मुरली में वाक्य हैं। लोगों को कहते हैं, लोगों को कहने दो। 2000 के आसपास की कोई अव्यक्त वाणी है उसमें बोला था – दुनियावालों के लिए बाप गुप्त हो गए, बच्चों के सामने प्रत्यक्ष हैं।

People say that the Father has become incognito. People say that the Father has become incognito. And Baba says: The Father has not become incognito. He is always revealed in front of His children. There are such sentences in the murli. People say; let people say. It is an *avyakt vani* around 2000; it was said in that: The Father became incognito for the people of the world; He is revealed in front of the children.

समय: 36.36-37.58
दूसरा जिज्ञासुः बाबा कहते हैं कि वो विष्णु के आने का इंतज़ार कर रहे हैं। तो विष्णु के आने के बाद क्या होगा?
बाबाः खतम, खेल खलास। भारत माता शिव शक्ति अवतार **अंत** का यही नारा है। फिर तो अंत आ गया।
दूसरा जिज्ञासुः क्या जैसे ही वैष्णवी देवी आएगी तो क्या दुनिया खतम हो जाएगी? दुनिया तो खतम नहीं होगी ना, ड्रामा...
बाबाः सूर्यवंश की स्थापना हो गई, फिर बाकी जो बचेंगे वो सब खतम ही हैं ना कि जिन्दा हैं? (जिज्ञासु – स्थूल रूप में भी) अरे? आज मर गए तो मर गए, कल मरेंगे तो कल मरेंगे। सतयुग में तो जाने वाले हैं नहीं। हैं?

Time: 36.36-37.58
The other student: Baba says that He is waiting for the arrival of Vishnu. So, what will happen after the arrival of Vishnu?
Baba: The end; the drama will end. *Bharat mata Shiv Shakti avataar* , this is the very slogan of the end. Then the end will come.
The other student: Will the world end as soon as Vishnu comes, Vaishnavi Devi comes? The world will not end [physically], will it? Drama...

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: [Once] the Sun dynasty has been established; then those who survive are as good as dead or are they alive? (Student: Even in a physical form?) *Arey*? They may die today; they may die tomorrow. They are not going to the Golden Age. Are they?

समयः 38.37-41.00

जिज्ञासुः फिर अगला प्रश्न ये पूछा है कि दिनांक 5.8.08 की मुरली में कहा है – मम्मा बाबा कहा तो स्वर्ग में तो आयेंगे परन्तु आकर नौकर-चाकर बनेंगे। - यह सिर्फ मुख से बोलने की बात है या लिख कर देने की भी बात है? वो किस हद तक ज्ञान को समझेंगे?

बाबाः कोई तो खून से भी लिखकरके देते हैं। दिया। फिर वो आज हैं नहीं। तो फिर वो क्या बनेंगे? (जिज्ञासु – नौकर-चाकर) हँ। ये तो निश्चयबुद्धि होने की बात है ना अंत तक।

जिज्ञासुः माना जो निश्चयबुद्धि होकर मम्मा-बाबा कहेंगे वो आएंगे स्वर्ग में?

बाबाः सिर्फ मुख से कहने से क्या होता है? दूसरों को सुनाने के लिए कह दिया। प्रैक्टिकल जब परीक्षा ली जाती है तो फेल।

जिज्ञासुः निश्चयबुद्धि होकर मम्मा-बाबा (मानें)।

बाबाः हाँ।

Time: 38.37-41.00
Student: Then another question has been asked that it has been said in the murli dated 5.8.08 : If someone says Mamma Baba, then he will come in heaven, but he will come and become servant. Is this only about saying through the mouth or is it about giving in writing also? To what extent will they understand knowledge?
Baba: Some write even with blood [their commitment to Baba] and give. They gave it. But today they don't exist. So, what will they become? (Student: Servants.) Yes. This is about remaining faithful till the end.
Student: Does it mean that those who say Mamma Baba with faith will come to heaven?
Baba: What happens just by saying through the mouth? They said in order to make the others listen. They *fail* when they are tested in practice.
Student: [They should accept] Mamma Baba with faith.
Baba: Yes.

दूसरा जिज्ञासुः बाबा के मुख से दो शब्द भी सुनेंगे तो स्वर्ग में आ जाएंगे। इसका क्या अर्थ है?

बाबाः सुनेंगे तो आ जायेंगे।

जिज्ञासुः निश्चयबुद्धि पूर्वक?

बाबाः हाँ। सुनी-अनसुनी कर दें तो? तो उन्हें सुनेंगे कहेंगे? जो सुनेंगे, साथ-साथ धारण करेंगे माने सच्चाई से सुनेंगे तो स्वर्ग में क्यों नहीं आवेंगे? हाँ, पुरुषार्थ नहीं करेंगे तो ऊँच पद नहीं पावेंगे। प्रजावर्ग में तो आ ही जावेंगे। अब जिनको संदेश मिलता है वो कौनसे वर्ग में आते हैं? (जिज्ञासु – प्रजावर्ग में) प्रजा वर्ग में आते हैं। आ जाएंगे।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

The other student: Baba says, if someone hears even two words through Baba's mouth, he will come to heaven. What does it mean?
Baba: They will come if they hear.
Student: With faith?
Baba: Yes. What if they hear and ignore? So, will they be said to have heard? Why will not those people come to heaven who listen and assimilate simultaneously, i.e. listen truthfully? Yes, if they do not make *purushaarth*, they will not achieve a high position. They will surely come in the subjects' category. Well, in which category are those people included who receive message? (Student: Subjects category) They come in the subjects' category. They will come.

समयः 41.18-44.50

जिज्ञासुः दिनांक 2.8.08 की मुरली में कहा है – बाप पैर धोकर बच्चों को तख्त पर बिठाते हैं। स्वर्ग के बारे में जो यह बात कही गई है उसका बेहद में क्या अर्थ है? क्योंकि स्वर्ग में तो वास्तव में कोई सिंहासन पर बैठते नहीं हैं जो...

बाबाः सुनने वाले हद वाली बुद्धि के हैं। वो पांव समझ लेते हैं पांव हद के समझ लेते हैं। है बुद्धि रूपी पांव की बात। बुद्धि रूपी पांव को धोकरके फिर तख्त पर बिठाते हैं। गंदे पांव वाले तख्त पर नहीं बैठने योग्य हैं। अर्थ नहीं समझा है हद की बुद्धि में ले जाते हैं। तो सतयुग में बुद्धि चली जाती है। बातें तो यहाँ की हैं।

Time: 41.18-44.50
Student: It has been said in the murli dated 2.8.08: The Father washes the feet of the children and makes them sit on the throne. What is the unlimited meaning of this topic about heaven? Because nobody sits on a throne in heaven in reality that...
Baba: The intellect of the listeners is limited. They think about those limited (physical) feet. It is [actually] about the feet like leg. They wash the feet like intellect and then make them sit on the throne. Those with dirty feet are not worthy of sitting on the throne. They haven't understood the meaning; so their intellect thinks in a limited way. Their intellect thinks of the Golden Age. The topics are of this place.

सतयुग में राधा-कृष्ण दिखाए गए हैं। लक्ष्मी-नारायण भी दिखाए गए हैं। झाड़ में भी दिखाए गए हैं, सीढ़ी में भी दिखाए गए हैं। वहाँ तख्त है? है तख्त? (जिज्ञासु – नहीं) फिर? त्रेता में तो फिर भी तख्त भी है, और छत्र भी है। भगवान की छत्रछाया भी है लेकिन वो भी यादगार कहाँ की है? (जिज्ञासु – संगमयुग) हाँ। बेसिक में तो पहचान ही नहीं है बाप की तो छत्रछाया कैसे होगी? पहचान होती तो ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय नाम क्यों डालते? क्या नाम डालते फिर? (जिज्ञासु – प्रजापिता) प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय नाम डालते। बाप को तो भूल ही गए तो छत्रछाया कहाँ से आएगी?

Radha and Krishna have been shown in the Golden Age. Lakshmi and Narayan have also been shown. They have been shown in the Tree as well as the Ladder. Is there a throne there? Is there a throne? (Student: No.) Then? However, there is a throne (*takht*) as well as a canopy (*chatra*) in the Silver Age. There is canopy of God as well; but it is a memorial of which place? (Student: Confluence Age.) Yes. There is no recognition of the Father in the *basic*

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

[knowledge] at all, so how will there be a canopy of the Father? Had there been the recognition [of the Father], why would they keep the name *Brahmakumari Ishwariya Vishwavidyalaya*? What name would they keep? (Student: Prajapita). They would have kept the name *Prajapita Brahmakumari Ishwariya Vishwa Vidyalaya*. When they have forgotten the Father Himself, then how will there be His canopy?

जिज्ञासुः यहाँ जो बाप पैर धोकर बच्चों को तख्त पर बिठाते हैं...

बाबाः ये बुद्धिरूपी पांव को धोते हैं ज्ञान से, ज्ञान जल से।

जिज्ञासुः यहाँ कौनसे बच्चों की बात है? यहाँ संगमयुगी...

बाबाः यहाँ बच्चों की बात, जो संगमयुग में बच्चे होंगे पढ़ने वाले, ज्ञान को महत्व देने वाले, उन्हीं की बात होगी ना। जो ज्ञान को महत्व ही नहीं देते, देहधारियों को महत्व देते हैं उनकी बात थोड़े ही होगी।

जिज्ञासुः माना उनको वो ऊँच पद दिलवाते हैं।

बाबाः उनको ऊँच पद दिलवाते हैं।

जिज्ञासुः यहाँ तख्त का अर्थ हो गया ऊँच पद।

बाबाः हाँ, हाँ, तख्त माने, ताज और तख्त दोनों ही बातें आती हैं।

Student: The feet that the Father washes here and makes the children sit on the throne…
Baba: It is the feet like intellect that He washes with knowledge, with the water of knowledge.
Student: It is about which children here? Here the Confluence Age…
Baba: Here it is about only those children who study in the Confluence Age, those who give importance to knowledge. It will not be about those who do not give importance to knowledge at all, [or] those who give importance to bodily beings.
Student: You mean to say that He makes them achieve a high position .
Baba: He makes them achieve a high position.
Student: Here throne means high position.
Baba: Yes, yes, throne means… crown as well as throne is included.

समयः 45.15-46.16

जिज्ञासुः फिर दिनांक 1.8.08 की मुरली में कहा है – जनक भी त्रेता में चला गया। सूर्यवंशी राजा बन न सका। राजा था, सरेन्डर भी हुआ, परन्तु टू लेट आया तो चन्द्रवंशी में चला गया। इन बातों को ब्राह्मण ही समझ सकते हैं, शूद्र समझ न सकें। - तो यहाँ पर जनक किसके लिए कहा गया है?

बाबाः फेल होने वाली राम वाली आत्मा। जनक माने बाप। जन माने जन्म देना। जन्म का 'क' माने 'कार्य करे', जो जन्म देने का काम करे वो बाप। तो बाप तो त्रेता में चला गया ना। और वो पास्ट की बात बताई कि पास्ट में फेल हुआ तो त्रेता में चला गया। अब फाइनल पेपर तो उस समय हुआ ही नहीं था, जब ये वाणी चलाई गई। ये तो रिवाइज्ड वाणी है जिसे सुन रहे हैं। कब की बताई है? (जिज्ञासु – 2008 की) तो आठ की तो रिवाइज्ड वाणी है ना।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

(जिज्ञासु – ओरिजिनल) ओरिजिनल तो जिस समय बाबा जीवित थे, उस समय की बात है ना।

Time: 45.15-46.16
Student: Then it has been said in a murli dated 1.8.08: Janak also went to the Silver Age. He could not become a king of the Sun dynasty. He was a king; he surrendered as well, but he came too late; so he went into the Moon dynasty. Only the Brahmins can understand these topics. The Shudras cannot understand. So, who does Janak refer to here?
Baba: The soul of Ram who fails. *Janak* means father. *Jan* means to give birth. The one who performs the task (*ka*) of giving birth (*janma*) is the father. So, the father went to the Silver Age, didn't he? And that was mentioned about the *past* that he failed in the *past*; so he went to the Silver Age. The *final paper* (examination) had not taken place at that time when this *vani* was narrated. This is a revised *vani* which you are listening. When was it narrated? (Student: 2008.) So, it is a revised *vani* of 2008, isn't it? (Student: Original.) *Original* [vani] pertains to the time when [Brahma] Baba was alive, doesn't it?

समयः 46.55-50.00
जिज्ञासुः अगला प्रश्न है कि शास्त्रों में पाण्डवों में कोई मतभेद नहीं दिखाया गया है। फिर भी हम ब्राह्मणों की दुनिया में विष्णु पार्टी और अनेक पार्टियों के लोग कौन हैं जो पाण्डवों में से ही अलग हो करके गये हैं? क्योंकि एडवांस में तो...
बाबाः ब्राह्मणों की दुनिया में सब पाण्डव ही हैं? कौरव कोई नहीं हैं? यादव कोई नहीं हैं?
जिज्ञासुः एडवांस की दुनिया में जो आते हैं...
बाबाः एडवांस की दुनिया में भी बीजरूप आत्माएं हर धर्म की हैं कि सब सूर्यवंशी हैं? (जिज्ञासु – हर धर्म की हैं) तो फिर?

Time: 46.55-50.00
Student: The next question is: no difference of opinion has been shown among Pandavas in the scriptures. So, who are the people of Vishnu Party and other parties in our world of Brahmins who have separated from the Pandavas themselves? Because in the advance [party]….
Baba: Is everyone in the world of Brahmins just Pandava? Is there no Kaurava? Is there no Yadava?
Student: Those who come in the world of advance…
Baba: Do the seed-form souls in the world of advance belong to all the religions or is everyone a *Suryavanshi*? (Student: They belong to all the religions.) So, then?

जिज्ञासुः तो केवल जो सूर्यवंशी हैं उन्हीं को सच्चा पाण्डव कहेंगे?
बाबाः बिल्कुल। सूर्य को फालो करे तो सूर्यवंशी। और-और देहधारियों को फालो करने लग पड़ते हैं वो सूर्यवंशी कैसे? यहाँ तो लक्ष्य ही है एक धर्म, एक राज्य, एक जाति, एक कुल, एक भाषा, तो फिर ये सब बातें कहाँ से पैदा हो गईं? किसके द्वारा पैदा हो गईं?
जिज्ञासुः विधर्मियों से। अनेक मत जो...

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः हाँ। जो अनेक मत-मतान्तर फैलाने वाले हैं, और-और धर्मों में कनवर्ट होने वाले हैं, उन्हीं में हुई है।

Student: So, will only the *Suryavanshis* be called true Pandavas?
Baba: Definitely. The one who follows the Sun is *Suryavanshi*. How can those who start following other bodily beings be *Suryavanshis*? Here the aim itself is: one religion, one kingdom, one caste, one clan, one language; so, then from where did all these topics come? They came from whom?
Student: The *vidharmis*. The different opinions…
Baba: Yes. Those who spread different opinions, those who *convert* to other religions, they themselves have started [different opinions].

जो झूठे होते हैं ना वो झूठ को ही फालो करने लग पड़ते हैं। लिख कर के देंगे स्टाम्प पेपर – ये हमारा बाप है, फिर फ्रंट में आ जाएंगे। फिर पूछते हैं।
जिज्ञासुः लेकिन आपस में मतभेद तो बहुत ही देखा जा रहा है।
बाबाः तो ये पाण्डव हैं सब? जो मतभेद पैदा करने वाले हैं वो पाण्डव हैं? आप तो पाण्डवों की बात कर रहे हैं। पाण्डव माने पाण्डु पुत्र। पण्डा के पुत्र। पण्डा माने जो रास्ता बताता है। कौन बताता है सच्चा रास्ता? (जिज्ञासु – शिवबाबा) शिवबाबा सच्चा रास्ता बताता है। तो उसका प्रैक्टिकल रूप है कि नहीं है? (कि) बिन्दी ही है? (जिज्ञासु – प्रैक्टिकल रूप है) फिर? फिर उसको फालो करते हैं? फालो करना भी बता दिया – दो प्रकार से फालो करना है। एक कर्मणा में फालो करना है और एक आर्डर को फालो करना है। आर्डर में बाप को फालो करना है, कर्मणा में ब्रह्मा को फालो करना है। तो **करते** हैं? (जिज्ञासु - नहीं) फिर? वो पाण्डव कहाँ से हो गए? पाण्डव ही नहीं हैं तो मत-मतान्तर पैदा करेंगे ना।

Those who are false, start following just falsehood . They will write and give on *stamp paper*: This is our father and then they will come in the *front* [to oppose]. Then they question.
Student: But a lot of mutual difference in opinion is being observed.
Baba: So, are they all the Pandavas? Are those who cause differences in opinion the Pandavas? You are talking about the Pandavas. Pandav means son of Pandu. Sons of *Panda* (guide). *Panda* means the one who shows the path. Who shows the true path? (Student: Shivbaba.) Shivbaba shows the true path. So, does He have a *practical* form or not? (Or) Is He only a point? (Student: He has a practical form.) Then? Then, do they follow Him? Even as regards following Him, it has been told that you have to follow in two ways. One thing is that you have to *follow* [him] in actions and the second thing is that you have to *follow* the orders. In case of orders, you have to *follow* the Father and in actions you have to *follow* Brahma. So, **do** they [follow]? (Student: No.) Then? How can they be the Pandavas? When they are not Pandavas at all then they will create differences of opinion, will they not?

जिज्ञासुः तो ये तो संख्या बहुत ही कम होगी एडवांस पार्टी में जिनमें आपस में कोई मतभेद ही न हो।
बाबाः बिल्कुल। बीजरूप आत्माएं हैं, वो सब धर्मों के बीज हैं न कि सिर्फ सूर्यवंशियों के बीज हैं? (जिज्ञासु – सभी धर्मों के) हाँ। और वो यहाँ प्रत्यक्ष भी होते चले जाएंगे।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: So, the number of those who do not at all have any difference of opinion with each other will be very less in the advance party.
Baba: Definitely. Are the seed form souls the seeds of all the religions or just the seeds of the *Suryavanshis*? (Student: Of all the religions.) Yes. And they will continue to be revealed here.

समयः 50.55-55.55

जिज्ञासुः फिर एक 9.8.05 की मुरली में कहा है - भारत गिरा है तो सब गिरे। भारत ही रेस्पान्सिबुल है अपने को गिराने और सबको गिराने के लिए। - तो यहाँ भारत कौन है और यह किस समय की बात है संगमयुग में?
बाबाः भारत को किस संबंध से पुकारा जाता है? (जिज्ञासु – माता, भारत माता कहते हैं) पिता तो नहीं कहते? (जिज्ञासु – पिता तो नहीं कहते) तो कौन जिम्मेवार है? यहाँ स्वर्ग स्थापन करने के जिम्मेवार कौन है? (जिज्ञासु – माताएं) किसके ऊपर रखा है छत्र? (जिज्ञासु – माताओं के ऊपर) फिर? अरे ज्ञान ही नहीं उठाएंगे, अज्ञान में ही चलेंगे तो नीचे गिरने और गिराने के निमित्त बनेंगे कि उठने और उठाने के निमित्त बनेंगे? (जिज्ञासु – नीचे गिरने के) पहली बात तो मुख्य ज्ञान है ना। योग के लिए भी पहली बात क्या है? (जिज्ञासु – ज्ञान) ज्ञान है।

Time: 50.55-55.55
Student: Then it has been said in a murli dated 9.8.05 : Everyone fell when *Bharat* fell. *Bharat* himself is responsible for his own downfall and for the downfall of everyone. So, who is *Bharat* here and it is about which time in the Confluence Age?
Baba: *Bharat* is called by which relationship? (Student: Mother; it is said *Bhaarat mata*.) They don't say *pitaa* (father). (Student: They do not say '*pita*') So, who is responsible? Who is responsible for establishing heaven here? (Student: The mothers.) On whom has the canopy been placed? (Student: On the mothers.) Then? *Arey*, if they do not take the knowledge at all, if they go on following just ignorance , then will they become instrument to experience downfall and bring downfall or will they become instrument to rise and make [others] rise? (Student: In bringing downfall.) The first and important topic is knowledge, isn't it? What is the first requirement for yoga as well? (Student: Knowledge.) It is knowledge.

जिज्ञासुः तो यहाँ भारत माता की बात हो रही है?
बाबाः अच्छा? वैसे हर जगह भारत माता, भारत माता चिल्लाते हैं। जब कोई विरोधी पॉइंट आ जाता है तो बाप को पकड़ लेते हैं? ☺ मुसलमानों में, इस्लामियों में भी, उनके ग्रंथों में भी ये बात मानी जाती है कि एडम ईव दोनों में गिराने के निमित्त कौन बना? (जिज्ञासु – ईव) और एडम ईव किसको कहा जाता है? आदि देव को एडम कहा जाता है। सहयोगिनी शक्ति को ईव कहा जाता है।

Student: So, is the discussion about Bharat Mata (Mother India) going on here?
Baba: *Acchaa?* Generally, you shout about Mother India, Mother India everywhere. And when any contradictory *point* emerges, then you catch the Father! ☺ Even among the

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Muslims, the people of Islam, it is believed in their scriptures that among Adam and Eve who became instrument to bring downfall? (Student: Eve.) And who is called Adam and Eve? Adi Dev is called Adam. His helper power (*sahyogini shakti*) is called Eve.

जिज्ञासुः ईव तो बाबा ने पहले ब्रह्मा बाबा को बता दिया।
बाबाः हाँ, हाँ, ईव ब्रह्मा बाबा है, तो अज्ञानता के कारण आदमी नीचे गिरता है या ज्ञान आने पर नीचे गिरता है? (जिज्ञासु – अज्ञानता) फिर?
दूसरा जिज्ञासुः ईव लक्ष्मी को कहा जाता है?
बाबाः ईव? अभी कौन है ईव? ज्ञान में हीरो किसे कहा जाता है और हीरोइन का पार्ट किसका है?
दूसरा जिज्ञासुः जगतपिता, जगतमाता।
बाबाः जगतपिता कौन है, जगतमाता कौन है? कहेंगे जगदम्बा (दूसरा जिज्ञासु – हाँ) जगदम्बा है माता, जगतपिता है पिता। तो जगदम्बा में भी प्रवेश कौन करता है? (दूसरा जिज्ञासु – ब्रह्मा बाबा) तो ओरिजिनली कौन है? ओरिजिनली माता कौन है जो जगदम्बा की भी बुद्धि को घुमाने वाली है? ब्रह्मा बाबा। और अब तक भी ब्रह्मा बाबा की बुद्धि में ये नहीं बैठा कि गीता का भगवान कौन है? जिस पॉइंट के ऊपर सारे ज्ञान का मदार पड़ता है।

Student: Baba has already mentioned Brahma Baba to be Eve.
Baba: Yes, yes, Brahma Baba is the *Eve*; so, does a person experience downfall due to ignorance or after acquiring knowledge? (Student: Ignorance.) Then?
The other student: Eve is going to be Lakshmi?
Baba: Eve? Who is Eve now? Who is called *hero* in knowledge and who plays the *part* of *heroine*?
The other student: World Father (*Jagatpita*), world mother (*Jagdamba*).
Baba: Who is World Father? Who is World Mother? It will be said *Jagdamba*. (The other student: Yes) *Jagdamba* is the mother, *Jagatpita* is the father. So, who enters *Jagdamba* as well? (The other student: Brahma Baba.) So, who is it *originally*? Who is the mother *originally* who turns the intellect of *Jagdamba* as well? Brahma baba. And even until now it has not sit in the intellect of Brahma Baba who the God of Gita is. The entire knowledge is based on this *point.*

समयः 56.09-57.00
जिज्ञासुः दिनांक 24.9.73 की मुरली में कहा है – प्रजापिता ब्रह्मा यहाँ भी है तो सूक्ष्मवतन में भी है। ये किसकी बात है?
बाबाः ये कहाँ से उठाई है मुरली?
जिज्ञासुः ये बी.के वालों ने तो छापी है, रिवाइज्ड।
बाबाः पहले उसकी तफ्तीश करो फिर यहाँ बोलो।
जिज्ञासुः वो इंटरनेट पे तो डालते रहते हैं ये सारे पॉइंट्स ।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः उनको डालने दो। आप हमेशा ये कहिये कि ज्यादा महावाक्य प्रजापिता के सूक्ष्मवतन के हैं या ज्यादा महावाक्य प्रजापिता के इस दुनिया के हैं? (जिज्ञासु – इस दुनिया के हैं) फिर?

जिज्ञासुः प्रजापिता तो साकार वतन का ही कहेंगे।

बाबाः फिर? जहाँ प्रजा होगी वहाँ प्रजापिता होगा। उन्हें सूक्ष्मवतन में कैसे डाल दिया?

Time: 56.11-57.00
Student: It has been said in the murli dated 24.9.73: Prajapita Brahma is here as well as in the subtle world. It is about whom?
Baba: Where did you pick this murli from?
Student: The BKs have published this, it is a revised one.
Baba: First check it and then speak here.
Student: They keep posting all these points on the internet.
Baba: Let them post. Always tell them : Are there more sentences about Prajapita being in the subtle world or about Prajapita being in this world? (Student: About his being in this world.) Then?
Student: Prajapita will be said to belong only to the corporeal world .
Baba: Then? Prajapita will be wherever there is *prajaa* (subjects). How did you put him in the subtle world?

समयः 57.35-59.40

जिज्ञासुः अगला प्रश्न पूछा है कि जब ब्रह्मा बाबा में शिवबाबा मौजूद थे, शिव, माता के रूप में तो संदेशी को वतन भेजकर डायरेक्शन्स मंगवाने की जरूरत क्यों पड़ती थी उनको?

बाबाः क्योंकि भक्तिमार्ग के फाउण्डेशन की आत्माएं थीं सारी। ज्ञानी आत्माएं थी ही नहीं। तो उनको साक्षात्कार के आधार पर ही उमंग-उत्साह देनी पड़ेगी या ज्ञान सुनाने से उनकी बुद्धि में बैठेगा? (जिज्ञासु – साक्षात्कार से) शुरुआत जो हुई है वो साक्षात्कार से हुई है या ज्ञान से हुई है? (जिज्ञासु – साक्षात्कार से) हाँ, तो वो सारी आत्माएं भक्तिमार्ग की हैं। भक्तिमार्ग की आत्माओं को, भक्तों को तो ज्ञान से तो नहीं उठाया जा सकता।

जिज्ञासुः इंटरनेट पे इन्होंने एक फोटो भी डाला है ब्रह्मा बाबा के समय का जिसमें ब्रह्मा बाबा संदिली पर बैठे हैं और बगल में एक बहन ट्रांस में गई हुई है और उसके हाथ इस तरह से हैं। तो वो भी पिक्चर दिखाया हुआ है। सामने लोग बैठे हुए हैं। और वो ध्यान में गई हुई है इस तरह से हाथ रख करके। (बाबाः तो?) मतलब ब्रह्मा बाबा के सामने ही ये सब पार्ट ट्रांस में जाने का ये सभी, संदिली पर बैठे-बैठे सामने ही चल रहा था।

Time: 57.35-59.40
Student: The next question that has been asked is: When Shivbaba, Shiva was present in Brahma Baba in the form of a mother, then why did he (Brahma Baba) need to obtain *directions* by sending a trance messenger (*sandeshi*) to the subtle world (*vatan*)?
Baba: It is because all the souls were from the *foundation* of the path of *bhakti.* They were not knowledgeable souls at all. So, will they have to be given zeal and enthusiasm just on the basis of visions or will it sit in their intellect by narrating knowledge? (Student: Through

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

visions.) Was the beginning made through visions or through knowledge? (Student: Through visions.) Yes, so all those souls are from the path of *bhakti*. The souls of the path of *bhakti*, the devotees cannot be uplifted through knowledge.
Student: They have also posted a *photo* on the *internet* from the beginning of the *yagya,* from the times of Brahma Baba in which Brahma Baba is sitting on a *sandali*[4] and a sister sitting beside him has gone into *trance* and her hands are [spread out] like this. That *picture* has also been shown. People are sitting in front [of Brahma Baba]. And she is in trance with her hands [spread out] like this. (Baba: So?) I mean to say that all this part of going into *trance* was going on in front of Brahma Baba himself while sitting on the *sandali*.

बाबाः माना संदिली पर जब बैठते हैं तो शिव हमेशा प्रवेश ही करता है?
जिज्ञासुः वो तो कभी भी प्रवेश कर सकता है।
बाबाः नहीं। शिव प्रवेश करता है सिर्फ ज्ञान सुनाने के लिए। या शिव प्रवेश करता है कोई भी इन्द्रियों से एक्ट करने के लिए। अगर ब्रह्मा बाबा बैठे हैं और सामने संदेशी बैठी है तो कोई जरूरी थोड़े ही है कि शिवबाबा प्रवेश ही है? मुरली तो नहीं चला रहे थे। फिर? मुरली का महावाक्य है तो ब्रह्मम वाक्यम जनार्दनम ब्रह्म वाक्य है।

Baba: Do you mean to say that when he is sitting on the *sandali*, then Shiva is always present in him?
Student: He can enter any time.
Baba: No. Shiva enters only to narrate knowledge. Or Shiva enters to perform some *act* through any of the *indriyaan*[5]. If Brahma Baba is sitting and if a *sandeshi* is sitting in front of him, then it is not necessary that Shivbaba has entered him. He was not narrating the murli. Then? If it is a version of the murli then '*Brahmam vaakyam janardanam'* (Brahma's versions are the versions of God). It is Brahma's sentence. (Concluded.)

[4] Seat on which Baba sits in class
[5] Lit. organs [including] *karmendriya*: parts of the body used to perform actions and *gyaanendriya*: sense organs

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info